अध्याय 7

रीढ़ की हड्डी

लेखक/कवि: जगदीश चंद्र माथुर

[गद्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. आत्मसम्मान और नैतिक साहस का प्रतीक

"रीढ़ की हड्डी" शीर्षक केवल शरीर के एक अंग का नाम नहीं, बल्कि यह आत्मसम्मान, साहस और अपने अधिकारों के लिए दृढ़तापूर्वक खड़े होने का प्रतीक है। उमा के माध्यम से विद्यार्थी समझेंगे कि व्यक्ति को अन्याय और गलत परंपराओं के सामने चुप नहीं रहना चाहिए।

2. स्त्री-शिक्षा और लैंगिक भेदभाव का विरोध

एकांकी में उस सामाजिक मानसिकता का चित्रण है जहाँ लड़कियों की शिक्षा को अनावश्यक माना जाता था। लेखक ने इस संकीर्ण सोच पर व्यंग्य करते हुए स्त्री-शिक्षा के महत्व और लैंगिक समानता की आवश्यकता को प्रतिपादित किया है।

3. व्यंग्य शैली में सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार

जगदीश चंद्र माथुर ने हास्य और कटाक्ष के माध्यम से विवाह संबंधी दकियानूसी परंपराओं — जैसे "लड़की देखने" की प्रथा और विवाह को लेन-देन बनाने की मानसिकता — पर तीखा प्रहार किया है। विद्यार्थी व्यंग्य साहित्य की शक्ति को समझेंगे।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- एकांकी का सारांश अपने शब्दों में क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे।
- उमा, शंकर, गोपालप्रसाद आदि पात्रों का चरित्र-विश्लेषण कर सकेंगे।
- "रीढ़ की हड्डी" शीर्षक के प्रतीकात्मक अर्थ को समझा सकेंगे।

- व्यंग्य शैली की विशेषताओं को उदाहरण सहित पहचान सकेंगे।
- स्त्री-शिक्षा एवं सामाजिक समानता के महत्व को समझ सकेंगे।
- मंचन एवं भूमिका-अभिनय के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल विकसित कर सकेंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक प्रश्न पूछेगा— "क्या लड़का और लड़की की शिक्षा में अंतर होना चाहिए? क्यों?" विद्यार्थी अपने विचार व्यक्त करेंगे।

संवादात्मक वाचन: विद्यार्थियों को पात्रों के अनुसार संवाद पढ़ने के लिए कहा जाएगा, जिससे नाटकीयता का अनुभव हो।

व्याख्या विधि: प्रत्येक दृश्य एवं संवाद की सरल भाषा में व्याख्या की जाएगी। उमा के संवादों के माध्यम से आत्मसम्मान एवं साहस की चर्चा होगी।

भूमिका-अभिनय: विद्यार्थी समूह बनाकर उमा, शंकर, गोपालप्रसाद आदि पात्रों का अभिनय करेंगे।

समूह चर्चा: विषय: "क्या आज भी समाज में लड़का-लड़की के बीच भेदभाव मौजूद है?"

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- सामाजिक विज्ञान: समाज में स्त्री-पुरुष समानता एवं सामाजिक सुधार आंदोलन
- नाटक एवं कला शिक्षा: एकांकी का मंचन, अभिनय एवं भाव-भंगिमा
- अंग्रेज़ी: महत्वपूर्ण संवादों का अंग्रेज़ी अनुवाद
- राजनीति विज्ञान: महिला अधिकार एवं शिक्षा के संवैधानिक अधिकार
- मूल्य शिक्षा: आत्मसम्मान, साहस और समानता

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: संवाद वाचन, प्रश्नोत्तर, चर्चा में सहभागिता।
- लिखित आकलन: लघु उत्तरीय प्रश्न, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, चरित्र-चित्रण।
- भूमिका-अभिनय एवं समूह प्रस्तुति का आकलन।
- रचनात्मक लेखन: "यदि मैं उमा की जगह होता/होती..." विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: शब्दार्थ, रिक्त स्थान, मिलान, संवाद व्याख्या।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)

- श्यामपट एवं मार्कर
- नाटक मंचन हेतु सरल सामग्री
- स्त्री-शिक्षा संबंधी चित्र/पोस्टर
- वीडियो क्लिप (एकांकी प्रस्तुति)
- कार्यपत्रक एवं अभ्यास सामग्री

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- परिवार में शिक्षा के महत्व पर चर्चा करना।
- महिला शिक्षा पर पोस्टर बनाना।
- सामाजिक कुरीतियों पर लघु नाटक तैयार करना।
- विद्यालय में "समानता" विषय पर भाषण देना।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: संवादों को प्रभावी ढंग से बोलना एवं विचार व्यक्त करना।
- आलोचनात्मक चिंतन: सामाजिक समस्याओं का विश्लेषण।
- रचनात्मकता: नाटक, संवाद लेखन एवं अभिनय।
- मूल्य शिक्षा: आत्मसम्मान, समानता और साहस।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थी "रीढ़ की हड्डी" शीर्षक के प्रतीकात्मक अर्थ को समझ पाए?
- क्या विद्यार्थियों ने स्त्री-शिक्षा और समानता के महत्व को गंभीरता से ग्रहण किया?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन संवादों एवं शब्दों का पुनः अभ्यास कराया जाएगा।
- एकांकी की घटनाओं को सरल भाषा में दोबारा समझाया जाएगा।
- मंचन गतिविधि में झिझकने वाले विद्यार्थियों को छोटे संवाद देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, लेखक परिचय, एकांकी का प्रारंभिक वाचन, शब्दार्थ एवं कठिन संवादों की व्याख्या।
- द्वितीय अवधि: शेष पाठ की व्याख्या, पात्रों का विश्लेषण, समूह चर्चा एवं भूमिका-अभिनय।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, कार्यपत्रक, रचनात्मक लेखन एवं आकलन।